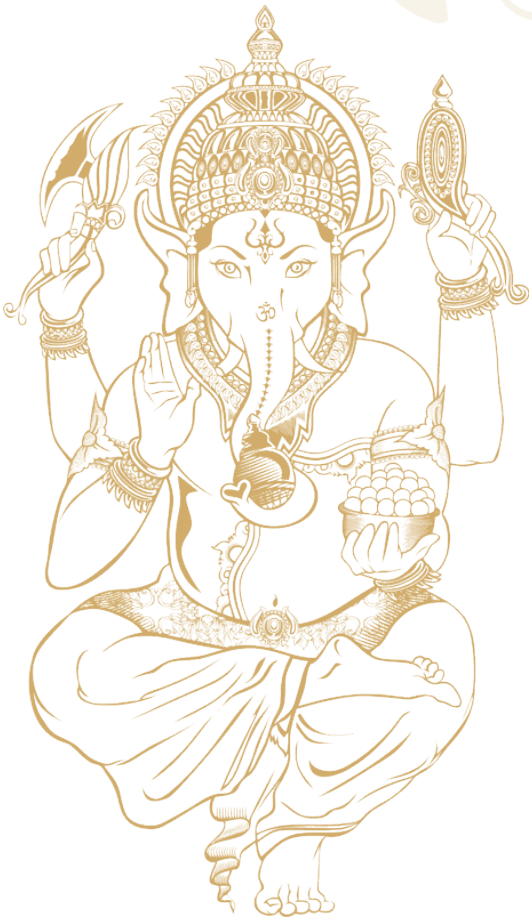

Rahul Aarshiya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120376101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120376101 Date: 30/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/05/1999	जन्म तिथि	12/10/2001
गुरु-शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 00:20:00	जन्म समय	22:05:00 घंटे
घटी 47:13:52	जन्म समय(घटी)	39:40:17 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Delhi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:27	सूर्योदय	06:20:15
18:59:56	सूर्यास्त	17:54:42
23:50:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:37
कुम्भ	लग्न	मिथुन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	बुध
तुला	राशि	कर्क
शुक्र	राशि-स्वामी	चन्द्र
स्वाति	नक्षत्र	आश्लेषा
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	4
वरियान	योग	शुभ
तैतिल	करण	बव
रो-रोहित	जन्म नामाक्षर	डो-डौली
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	मार्जार
देव	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 6वर्ष 9मा 12दि		04:00:30	कुंभ	लग्न	मिथु	07:01:25	बुध 1वर्ष 9मा 21दि	
शनि		12:11:55	वृष	सूर्य	कन्या	25:32:14	शुक्र	
10/03/2022		14:58:26	तुला	चंद्र	कर्क	28:34:52	04/08/2010	
10/03/2041		00:58:27	तुला व	मंगल	धनु	26:05:21	04/08/2030	
शनि	13/03/2025	14:41:50	वृष	बुध व	कन्या	28:34:09	शुक्र	03/12/2013
बुध	21/11/2027	00:16:39	मेष	गुरु	मिथु	21:06:05	सूर्य	04/12/2014
केतु	30/12/2028	26:51:12	मिथु	शुक्र	कन्या	02:39:32	चन्द्र	03/08/2016
शुक्र	29/02/2032	16:42:11	मेष	शनि व	वृष	20:52:09	मंगल	04/10/2017
सूर्य	10/02/2033	21:54:23	कर्क व	राहु व	मिथु	06:09:42	राहु	03/10/2020
चन्द्र	11/09/2034	21:54:23	मक व	केतु व	धनु	06:09:42	गुरु	04/06/2023
मंगल	21/10/2035	22:56:04	मक व	हर्ष व	मक	27:10:14	शनि	04/08/2026
राहु	27/08/2038	10:24:30	मक व	नेप व	मक	12:07:24	बुध	04/06/2029
गुरु	10/03/2041	15:22:26	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	19:19:56	केतु	04/08/2030

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:37

लग्न-चलित

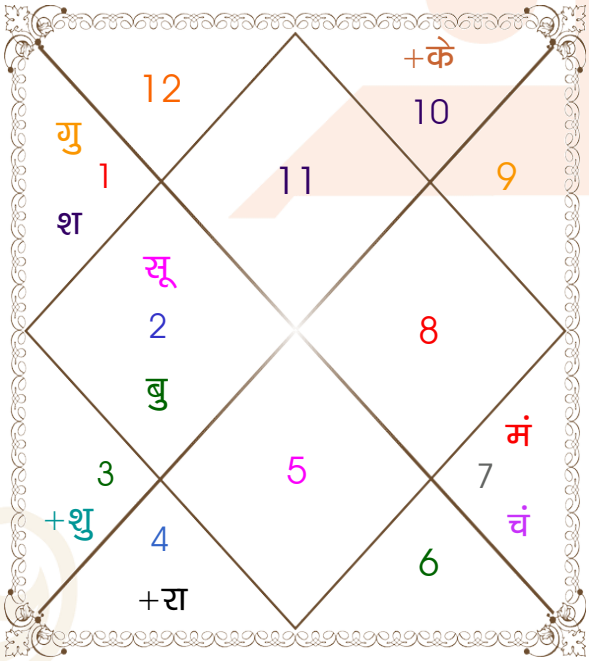

लग्न-चलित

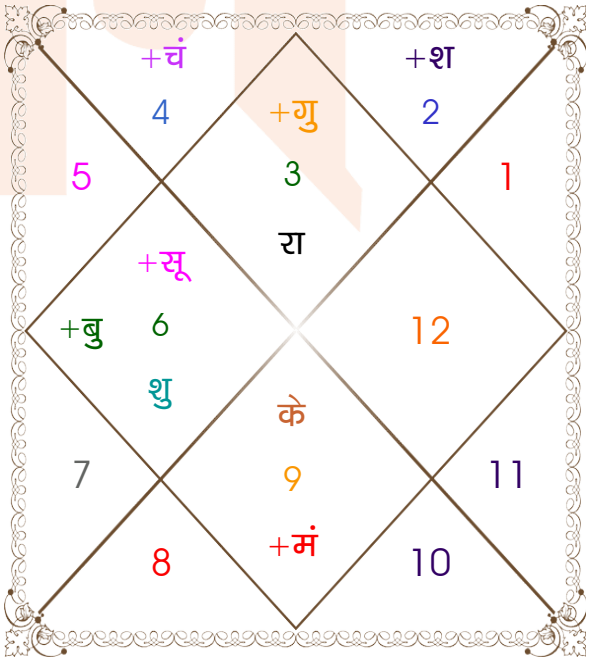

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

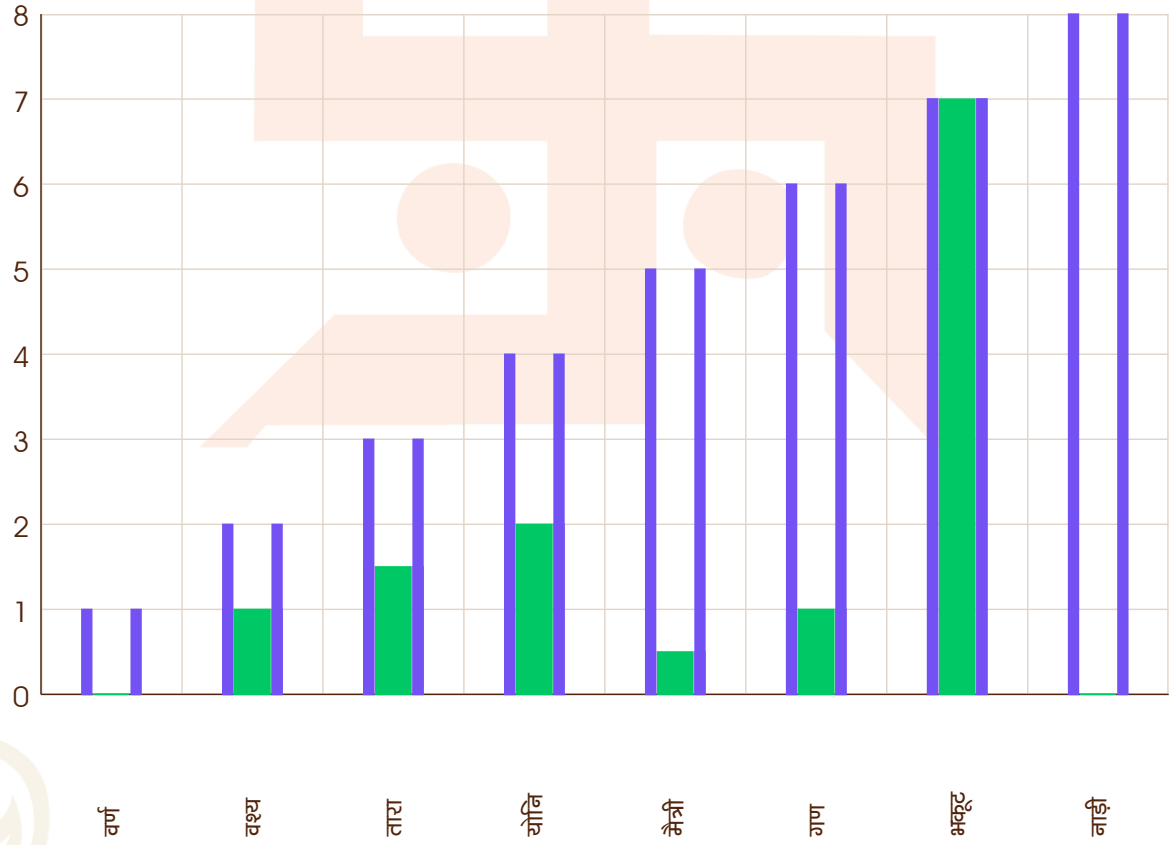

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Rahul का वर्ग मृग है तथा ¡तीपलं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rahul और ¡तीपलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Rahul मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

¡तीपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ¡तीपलं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Rahul कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rahul तथा ¡तीपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rahul का वर्ण शूद्र है तथा ¡तीपलं का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि ¡तीपलं का वर्ण Rahul के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। ¡तीपलं हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Rahul के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Rahul का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ¡तीपलं का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Rahul एवं ¡तीपलं दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Rahul ¡तीपलं पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Rahul हमेश ¡तीपलं के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Rahul की तारा वध तथा ¡तीपलं की तारा क्षेम है। Rahul की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rahul बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Rahul को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु ¡तीपलं लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Rahul की योनि महिष है तथा ¡तीपलं की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rahul का राशि स्वामी ¡तीपलं के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि ¡तीपलं का राशि स्वामी Rahul के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Rahul का गण देव तथा ¡तीपलं का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में ¡तीपलं निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। ¡तीपलं की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

Rahul से ¡तीपलं की राशि दशम भाव में स्थित है तथा ¡तीपलं से Rahul की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Rahul एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्त्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। ¡तीपलं को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। ¡तीपलं हमेशा अपने पति की परछाईं बनकर सदैव उनकी सहायता

करती रहेंगी।

नाड़ी

Rahul की नाड़ी अन्त्य है तथा ¡तोपलं की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rahul एवं ¡तोपलं की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Rahul की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा ¡तीपलं की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से वायु एवं जलतत्व में असमानता का भाव रहता है अतः इसके प्रभाव से Rahul और ¡तीपलं के मध्य स्वाभाविक विषमता का भाव रहेगा फलतः परस्पर संबधों में यदा कदा तनाव उत्पन्न होगा जिससे यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

Rahul की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा ¡तीपलं की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर शत्रु एवं सम राशियों में स्थित है । सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अच्छी नहीं होती है। इसके प्रभाव से Rahul और ¡तीपलं के मध्य मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे परस्पर मधुर संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा जिससे वैवाहिक जीवन में कष्ट एवं बाधाएं उत्पन्न होगी। इसमें ¡तीपलं का सहयोग उदासीन परन्तु Rahul का सक्रिय रहेगा।

Rahul और ¡तीपलं की जन्म राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Rahul और ¡तीपलं के उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर सामंजस्य एवं सहनशीलता के भाव का अवलम्बन करके दाम्पत्य जीवन में सुख एवं शांति का वातावरण बनाने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचना एवं दुर्भावना के स्थान पर सदभावना तथा स्नेह का भाव उत्पन्न होगा अतः इसके प्रभाव से किंचित शुभता अवश्य आएगी।

Rahul का वश्य मानव तथा ¡तीपलं का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर की नैसर्गिक विषमता के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी। इनमें शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी अंतर रहेगा। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी असमर्थ होंगे।

Rahul का वर्ण शूद्र एवं ¡तीपलं का वर्ण ब्राह्मण है। अतः दोनों की कार्य क्षमता में विषमता रहेगी। Rahul की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से करने की होगी परन्तु ¡तीपलं केवल शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कर्मो को ही सम्पन्न करेंगी।

धन

Rahul और ¡तीपलं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Rahul और ंतीपलं दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Rahul के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Rahul को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Rahul और ंतीपलं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Rahul और ंतीपलं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ंतीपलं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ंतीपलं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ंतीपलं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Rahul और ंतीपलं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Rahul और ंतीपलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ंतीपलं के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद ंतीपलं अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से ¡तीपलं पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि ¡तीपलं अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Rahul की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Rahul सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Rahul ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Rahul के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।